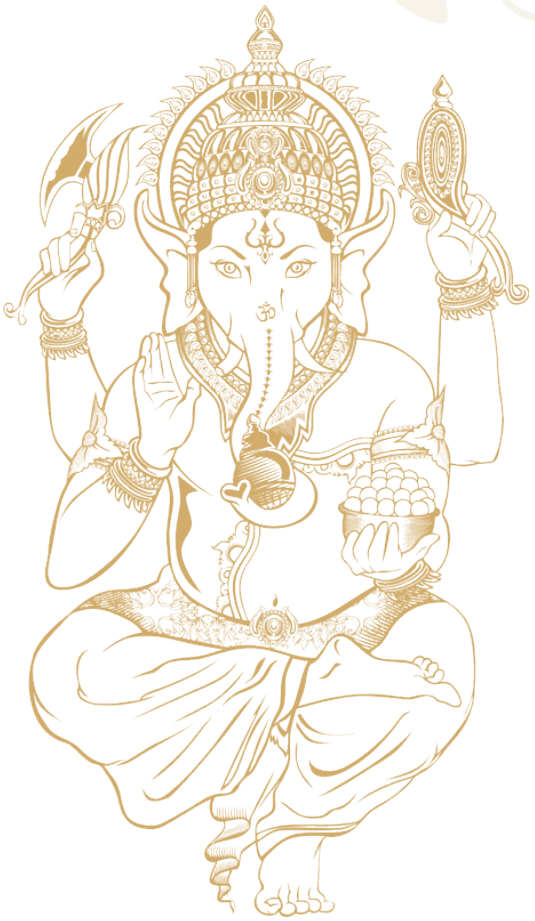

Ashutosh

Nikita

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121115804

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
13/11/1996	जन्म तिथि	19/03/1999
बुधवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 13:20:00	जन्म समय	23:20:00 घंटे
घटी 16:24:55	जन्म समय(घटी)	42:06:13 घटी
India	देश	India
Safidaun	स्थान	Panchkula
29:25:00 उत्तर	अक्षांश	30:43:00 उत्तर
76:40:00 पूर्व	रेखांश	76:47:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:23:20	स्थानिक संस्कार	-00:22:52 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:46:01	सूर्योदय	06:29:05
17:29:11	सूर्यास्त	18:33:02
23:48:48	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:35

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 6वर्ष 3मा 26दि		03:48:53	कुंभ	लग्न	वृश्चि	06:44:58	केतु 6वर्ष 1मा 18दि	
शुक्र		27:24:14	तुला	सूर्य	मीन	04:50:04	सूर्य	
12/03/2010		25:02:24	वृश्चि	चंद्र	मेष	01:38:59	07/05/2025	
12/03/2030		13:46:34	सिंह	मंगल व	तुला	18:21:06	07/05/2031	
शुक्र	11/07/2013	04:03:43	वृश्चि	बुध व	मीन	04:56:43	सूर्य	24/08/2025
सूर्य	11/07/2014	21:05:21	धनु	गुरु	मीन	14:12:26	चन्द्र	23/02/2026
चन्द्र	11/03/2016	24:12:52	कन्या	शुक्र	मेष	07:45:43	मंगल	01/07/2026
मंगल	11/05/2017	07:09:19	मीन व	शनि	मेष	08:08:16	राहु	26/05/2027
राहु	11/05/2020	13:21:20	कन्या व	राहु व	कर्क	27:46:46	गुरु	13/03/2028
गुरु	10/01/2023	13:21:20	मीन व	केतु व	मक	27:46:46	शनि	23/02/2029
शनि	12/03/2026	07:19:29	मक	हर्ष	मक	21:23:32	बुध	30/12/2029
बुध	09/01/2029	01:33:20	मक	नेप	मक	09:54:09	केतु	07/05/2030
केतु	12/03/2030	08:43:17	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	16:38:38	शुक्र	07/05/2031

लग्न-चलित

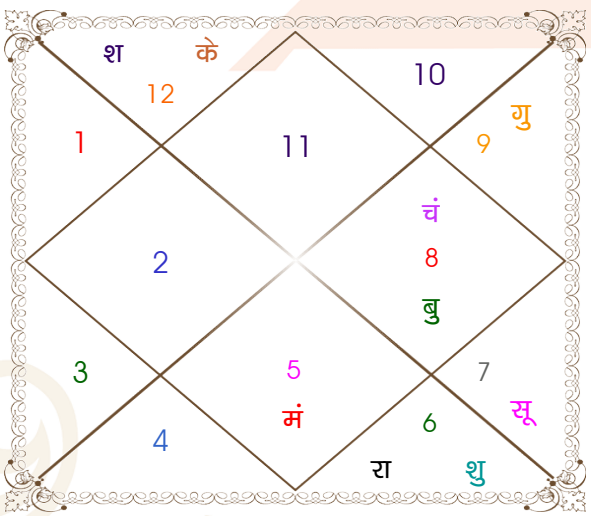

लग्न-चलित

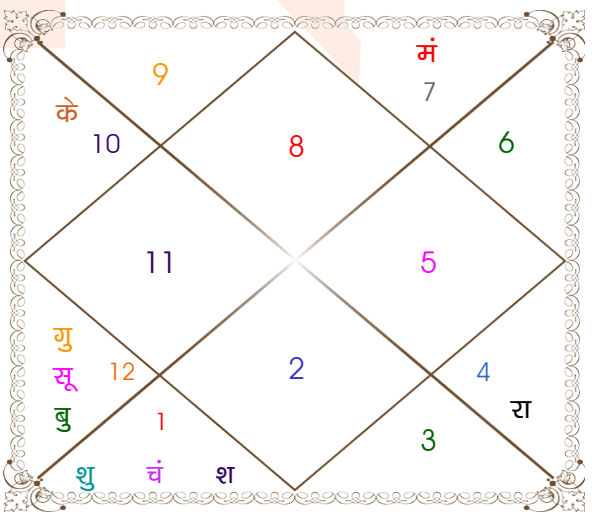

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मृग	अश्व	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	मेष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	14.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

ीनजवी का वर्ग मृग है तथा छपापजं का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ीनजवी और छपापजं का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

ीनजवी मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि ीनजवी कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

छपापजं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल छपापजं कि कुण्डली में द्वादश भाव में तुला राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि छपापजं कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ीनजवीं तथा छपापजं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।